Seat No. : _____

JC-117 (H)

January-2021

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(Rural Sociology)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

सूचना : (1) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दे ।

(2) दायीं ओर प्रश्न के अकं दर्शाये गये हैं ।

खण्ड – I

1. ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ स्पष्ट करें और उसकी विषयवस्तु दर्शाइये । **14**

2. ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ और इसका महत्त्व स्पष्ट कीजिए । **14**

3. ग्रामीण समुदाय का अर्थ तथा इसकी विशेषताएँ बताइए । **14**

4. सामाजिक सर्वेक्षण का अर्थ तथा इसकी विशेषताएँ बताइए । **14**

5. ग्रामीण अर्थव्यवस्था के स्वरूप के बारे में बताइए । **14**

6. भूमि संबंधित समस्याओं का अर्थ और कारणों को समझइए । **14**

7. ग्रामीण विकास में पंचायतीराज की भूमिका स्पष्ट कीजिए । **14**

8. ग्रामीण समाज में बदलाव को प्रोत्साहन देते घटकों के बारे में बताइए । **14**

खण्ड – II

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** में खाली स्थान भरें : **8**

(1) ग्रामीण समाजशास्त्र का उद्‌भव _____ शताब्दी में हुआ । (18वीं, 19वीं, 20वीं)

(2) _____ भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र पर प्रथम पाठ्यपुस्तक है । (भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र का परिचय, इन्डियाज विलेजीस, विलेज इन्डिया)

(3) गाँव _____ समूह है । (द्वितीयक, प्राथमिक, औपचारिक)

(4) ग्रामीण समुदाय की बुनियादी इकाई _____ है । (जाति, धर्म, संयुक्त कुटुम्ब)

(5) ग्रामीण व्यवसाय का आधार _____ है । (वर्ग, जाति, धर्म)

(6) कृषि आधुनिकीकरण का अर्थ _____ है । (भूमि सुधार, प्रकृति आधारित व्यवसाय, स्थानान्तर)

(7) पंचायतीराज मतलब_____ । (सत्ता का केन्द्रीकरण, सत्ता का विकेन्द्रीकरण, सत्ता का कार्यान्वयन)

(8) _____ ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन का अवरोधक है ।

(निरक्षरता, राष्ट्रीय आन्दोलन, समुदाय विकास योजना)

Seat No. : _____

JC-117 (H)

January-2021

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(Sociology of Religion)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

सूचना : (1) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दे ।

(2) दायीं ओर प्रश्न के अकं दर्शाये गये हैं ।

खण्ड – I

1. धर्म के समाजशास्त्र की व्याख्या दीजिए । इसके कार्यक्षेत्र को स्पष्ट कीजिए । **14**

2. भारत में धर्म के समाजशास्त्र के उद्‌भव और विकास को समझाइए । **14**

3. धर्म की व्याख्या कर, धर्म के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए । **14**

4. धर्म के कार्य तथा दुष्कार्य समझाइए । **14**

5. ईमाइल दुर्खीम के धर्म के कार्यात्मक अर्थनिर्णय की चर्चा कीजिए । **14**

6. मैक्स वेबर के धर्म के परिघटनात्मक अर्थनिर्णय की चर्चा कीजिए । **14**

7. हिन्दू धर्म की मान्यताओं और आचरण को समझाइए । **14**

8. इस्लाम धर्म का अर्थ और इस्लाम के आधार स्तम्भ दर्शाइए । **14**

खण्ड – II

9. निम्नलिखित विधान सही हैं या गलत, बताएँ । (किन्हीं **चार**) **8**

(1) धर्म का समाजशास्त्र सामाजिक विज्ञान नहीं है ।

(2) दिव्य वस्तुओं को हमेशा पवित्र माना गया है ।

(3) धर्म के अनुयायी उनके धर्म की आस्थाओं को समर्पित होते हैं ।

(4) सामाजिक नियंत्रण का कार्य सामाजिक एकता तोड़ना है ।

(5) ख्रीस्ती धर्म के अनुसार शरीर प्रभु का मंदिर है ।

(6) ख्रीस्ती धर्म के संस्थापक ईसु ख्रीस्ती हैं ।

(7) कुरान का विषय मानव है ।

(8) बाइबल के अनुसार संसार दिव्य सर्जन है ।